ASHA
The Hope

एक सार्थक कोशिश

आशा-दि होप

समाज सेवा को ही अपना धर्म समझनेवाले **डॉ. निर्मल सूर्या** का एकमात्र लक्ष्य है जनकल्याण. एपिलेप्सी (मिर्गी) के लिए एक अरसे से निस्वार्थ भाव से अपनी सेवा देने वाले डॉ. सूर्या लोगों को इस बात से अवगत कराना चाहते हैं कि मिर्गी लाइलाज नहीं है. और अपनी इसी बात को आम लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की है **एपिलेप्सी फ़ाउंडेशन** द्वारा निर्मित फ़िल्म **आशा-द होप** के ज़रिए.

डॉ. निर्मल कहते हैं, " मिर्गी को लेकर हमारे समाज में कई तरह की भ्रांतियां फैली हुई हैं. गांव-कस्बों में तो लोग इसे भूत-प्रेत बाधा समझकर तांत्रिक और ओझा के चक्कर में भी पड़ जाते हैं और मरीज़ की ज़िंदगी बर्बाद हो जाती है. लोगों को सही राह दिखाने के लिए ही मैंने आशा- द होप फ़िल्म बनाई है."

सूर्या सिने विज़न की इस फ़िल्म में मुख्य क़िरदारों के रूप में हैं स्वयं न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. निर्मल सूर्या और डॉ. संगीता रावत. निर्देशक हैं मंजुल कपूर. गीतकार हैं कृष्णा बंसल और संगीत निर्देशक हैं शिव राजपाल. इसके ख़ूबसूरत गीत लोगों को प्रेरणा देते हैं और जीने की उमंग जगाते हैं. इस फ़िल्म का प्रीमियर **विश्व मिर्गी दिवस** यानी १७ नवंबर को वाय.बी चव्हाण ऑडिटोरियम में किया गया, जहां राजनीति और मेडिकल से जड़ी कई मशहूर हस्तियां थीं, जिनमें प्रमुख थे- स्वयं श्री छगन भुजबल, डॉ. विमल मूंदड़ा, श्री सुरेश शेट्टी आदि.

इसके अलावा डॉ. सूर्या इस फ़िल्म का प्रदर्शन स्कूल, मेडिकल असोसिएशन और एनजीओ के लिए भी करेंगे, जिससे अधिक-से-अधिक लोग जागरुक हो सकें. उनकी इस फ़िल्म को हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में भी तैयार करने की योजना है.

डॉ. सूर्या कहते हैं, "मैं लोगों से यही कहना चाहूंगा कि मिर्गी लाइलाज नहीं है. इसका इलाज संभव है, यदि समाज में इस रोग के प्रति फैली भ्रान्तियों से बचा जाए एवं इसका इलाज सही डॉक्टर से करवाया जाए. एपिलेप्सी फ़ाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे **मिर्गी मुक्त भारत** अभियान में शामिल हो क़दम-से-क़दम बढ़ाएं. लोगों को बीमारी के प्रति जागरुक होने की ज़रूरत है. इस फ़िल्म को देखकर लोगों में चेतना जागृत हो सके तो मैं समझूंगा कि मेरा प्रयास सफल रहा."

Leading with hope

For those suffering from epilepsy, *Asha – The Hope* opens up new doors. Made by Dr Nirmal Surya, this film aims at creating awareness about the highly misunderstood disease of epilepsy and its cure.

The film premiered worldwide on World Epilepsy day (November 17) at YB Chavan Auditorium, Mumbai and was attended by eminent personalities such as Chhagan Bhujbal and Sunil Shetty. *Asha – The Hope* stars Drs Nirmal Surya and Sangeeta Rawat in lead roles. Dr Surya, who has been providing charitable aid to leprosy patients for long now, says "Too many myths about epilepsy prevail. In the villages, people even think of it as being possessed and resort to treatment by quacks and *tantriks*. Patients' lives get ruined thanks to lack of information. Through my film, I intend to create as much awareness as possible." Dr Surya plans screening the film at schools, medical institutions and NGOs and also hopes to translate it into several other languages.

The socially inclined Dr Surya hopes that the Epilepsy Foundation, which has produced the film, succeeds in creating an epilepsy free India. He hopes to contribute by spreading the knowledge that the disease, if properly attended to is curable.